संस्था द्वारा पटना में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन

सोसायटी फॉर अपलिफ्टमेंट ऑफ रूरल इकोनोमी, वाराणसी के तत्वाधान में, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, डा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, अटारी (ATARI), पटना एवं बिरला तकनीकी संस्थान, पटना के सहयोग से तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन बिरला तकनीकी संस्थान, पटना परिसर में 30 अक्तूबर से 01 नवंबर, 2018 के दौरान किया गया। इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय "नवोन्मुखी टिकाऊ कृषि एवं संबंधित उद्यम द्वारा ग्रामीण जीवकोपार्जन मे सुधार एवं किसानों की आय में वृद्धि" था। उपरोक्त संगोष्ठी के द्वारा नवनोमुखी कृषि आधारित (जैविक खेती, बीजोत्पादन, बागवानी, डेयरी, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, वर्मीकम्पोस्ट, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन) उद्यमों के द्वारा ग्रामीण जीवकोपार्जन में सुधार के साथ–साथ किसानों कर आय में वृद्धि हेतु का प्रयास करना था। इस बृहद संगोष्ठी में देश–विदेश से प्रख्यात वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों, विद्वानों, प्रगतिशील कृषक ने नवोन्मुखी कृषि एवं कृषि से सम्बंधित उद्यम पर अपनी विशेषज्ञता एवं अनुभवों को साझा किया, जो निश्चित रूप से बिहार के परिपेक्ष में काफी लाभकारी सिद्ध हुआ। उपरोक्त संगोष्ठी का उद्घाटन डा. प्रेम कुमार, माननीय कृषि मंत्री बिहार सरकार ने किया।

इस अवसर पर प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार सिंह, बिहार सरकार, डा. अजय कुमार सिंह, कुलपति बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, डा. यू एस गौतम, कुलपति, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांदा, डा. रामेश्वर सिंह, कुलपति बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. आर आर बी सिंह, डा. आर के सिंह, निदेशक सीफेट, राष्ट्रीय आर्किड अनुसंधान निदेशक डा. डी आर सिंह, अटारी, कोलकता के निदेश डा. एस एस सिंह एवं अटारी पटना के निदेश डा. अंजनी कुमार सिंह ने उद्घाटन सत्र में अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा, श्रीमती मंजू लता सिंह जी ने भी सम्बोधित किया। उद्घाटन सत्र में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका, संस्था द्वारा प्रकाशित जर्नल ऑफ एग्रीसर्च एवं "आधुनिक जैविक कृषि जलवायु परिवर्तन एवं जैव विविधिता के सन्दर्भ में" नामक पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य आयोजन सचिव डा. अनिल कुमार सिंह जी ने भी अपने विचार स्वागत भाषण के दौरान व्यक्त किये। डा. सिंह ने बताया कि देश–विदेश से 300 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया। तीन दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कुल 12 तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया जिसमें देश–विदेश से 200 से भी ज्यादा शोध–पत्र प्रस्तुत किये गए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डा. नरेंद्र सिंह राठौर उप महानिदेशक, प्रसार शिक्षा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के सफल आयोजन पर आयोजकों को बधाई दी, साथ ही वैज्ञानिकों को पुरस्कृत किया।